केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 119 शुक्रवार 22 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

419 क्विंटल चावल लेकर निकला ट्रक, हो गया लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज पुलिस ने 419 क्विंटल चावल हड़पने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि चावल लादकर थानाक्षेत्र के गाऊखोर में स्थित एक राइस मिल से निकला ट्रक चार दिन बाद भी गन्तव्य तक नहीं पहुंचा। काफी प्रयास के बाद भी ट्रक व उससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुरानी बस्ती के पांडेय बाजार निवासी मिल मालिक उमाशंकर गुप्ता ने तहरीर में बताया कि गत सात नवंबर को उनके राइस मिल से एक ट्रक पर 1615 बोरी चावल (वजन 419.90 घक्विंटल) लादकर गंगारामपुर पश्चिम बंगाल जाने के लिए निकला था। पांच दिन बाद भी चावल पश्चिम बंगाल नहीं पहुंचा। इस बारे में जब ट्रक के चालक से बात हुई तो उसने बताया कि उससे आठ नवंबर को ही मालिक ने चावल सहित ट्रक दूसरे चालक को देकर हमें ट्रक से उतार दिया था। इसके बाद राइस मिल के मालिक ने ट्रक मालिक से फोन करके जानकारी चाहा, लेकिन उससे संपर्क नहीं हुआ। मिल मालिक ने ट्रांसपोर्ट के मालिक से फोन पर बात किया तो उसने बताया कि हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्हें शक है कि ट्रांसपोर्टर, ट्रक मालिक एवं ड्राइवर ने मिलकर चावल को हड़प लिया है। प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर अशोक जायसवाल ट्रांसपोर्ट मालिक निवासी ट्रांसपोर्ट नगर गोरखपुर, मोहम्मद इब्राहिम निवासी बड़हरा बराईपुर महाराजगंज और घनश्याम जायसवाल निवासी बेलवा रामजस दुबे कुशीनगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

केमिकलयुक्त जूस पिला रहे दुकानदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरों ने मिलावट का नया तरीका खोज लिया है। पहले मिठाई, पनीर, खोवा आदि में मिलावट का खेल चल रहा, अब जूस में हानिकारक मिलावट करके लोगों की सेहत बिगाड़ा जा रहा है। कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वॉयरल एक वीडियो ने बस्ती शहर में हड़कंप मचा दिया है। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि पटेल चौक के पास एक पटरी दुकानदार ने अपनी फ्रूट्स व जूस् कार्नर की दुकान पर केमिकल मिलाकर लोगों को जूस पिला रहा है। यह मिलावट अनार की जूस में किया जा रहा है। दुकान पर ग्राहक पहुंचते हैं। उससे अनार जूस पिलाने के लिए ऑर्डर करते हैं। इसी बीच झट से अनार का जूस पहले से केमिकल मिलाकर बनाकर रखा था, निकाल कर दिया। कलर देखकर ग्राहकों को जूस संदिग्ध दिखा तो पड़ताल करने लगे। पता चला कि दुकान में पहले से एक भगोने में केमिकल मिलाकर जूस तैयार किया था, उसमें कुछ अनार के दाने भी दिखे। यह देखकर ग्राहक परेशान हो गए। दुकानदार से पूछताछ किए तो वह मुनाफे के लिए यह कार्य करने की बात कबूली। बताया गया कि हापुड़ से आया है। यहीं पर दुकान लगाता है। बताया कि एक डिब्बे में 50 से अधिक गिलास अनार जूस तैयार हो जाता है। उसमें कुछ अनार भी रहता हे। वहीं इस मामले से खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन अनजान बना हुआ है। लोगों की सेहत बिगड़ रही और अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं तुर्कहिया गली के पास एक और जूस वाले के कारनामे की शिकायत लोगों ने की है। बताया कि मौसमी जूस में पानी मिलाकर देता है। मिलावट होने पर शिकायत करने पर दुकानदार झगड़ता है।

जिला अभिहित अधिकारी धर्मराज मिश्रा ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है। टीम भेजकर सभी ठेले और पटरी पर जूस बेचने वाले के खिलाफ अभियान चलाकर जांच कराई जाएगी। मिलावट कर जूस बेचना गलत है। लोगों की सेहत के प्रति विभाग सजग है।

यूपी में द साबरमती रिपोर्ट फिल्म टैक्स फ्री

लखनऊ (आभा)। गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' उत्तरप्रदेश में टैक्स फ्री हो गई है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ लखनऊ के प्लासियो मॉल में फिल्म देखी और टैक्स फ्री करने का ऐलान किया। इस दौरान फिल्म के कलाकार और इससे जुड़े लोग भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने यह भी बताया कि क्यों फिल्म को टैक्स फ्री किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि हर भारतीय को यह फिल्म देखनी चाहिए और देश व समाज में वैमनस्यता पैदा कर रहे लोगों को एक्सपोज करना चाहिए। उस सच्चाई के पास जाने का प्रयास करना चाहिए, जो लोग राजनीतिक स्वार्थ के लिए वैमनस्यता पैदा कर रहे हैं, उन्हें पहचानना चाहिए और सभी के सामने उन्हें एक्सपोज करने की आवश्यकता है।

सीएम योगी ने कहा कि गोधरा की सच्चाई को देश के सामने लाने का विक्रांत मैसी की टीम ने अपनी कला के माध्यम से अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सराहनीय प्रयास किया है। यूपी और यहां के लोगों की तरफ से उनका अभिनंदन करता हूं। जो लोग अक्सर सत्य पर पर्दा डालने का प्रयास करते हैं, देश और समाज के खिलाफ षड्यंत्र करते हैं, लेकिन फिल्म के माध्यम से द साबरमती रिपोर्ट ने उस सच्चाई को सामने लाने का प्रयास किया है।

योगी ने कहा कि सभी को पता है कि साबरमती एक्सप्रेस से अयोध्या से गुजरात वापस जा रहे कारसेवकों के साथ गोधरा स्टेशन के बाद जो कुछ भी हुआ था, उस सच्चाई को झुठलाने का प्रयास हो रहा था। वह सच्चाई सामने आई है। उस सच्चाई को बहुत से लोग आज भी झुठलाते हैं। उन्हें एक्सपोज करने की आवश्यकता है। यह एक साहसिक प्रयास फिल्म के माध्यम से हुआ है। इस तरह का प्रयास हर उस घटना के प्रति होना चाहिए जो देश, समाज और सरकार के खिलाफ वैमनस्यता पैदा करने के लिए अक्सर जिम्मेदार स्तंभों के स्तर पर होता है। ऐसे लोगों को सार्वजनिक रूप से एक्सपोज करने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि यह अयोध्या से जुड़ा मामला था। यह श्रीरामजन्म भूमि मंदिर निर्माण से संबंधित कारसेवकों और इस पूरे अभियान को पूर्णाहुति तक पहुंचाने का हिस्सा था। यह फिल्म इस अवसर पर और भी आवश्यक है कि जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पीएम मोदी के नेतृत्व में मंदिर बन चुका है और रामलला विराजमान हो चुके है। पूरा देश और दुनिया इस अद्भुत घटना का साक्षी बना है।

बच्चों से जुड़ी प्राथमिकताओं पर संगोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में बच्चों से जुड़ी प्राथमिकताएँ एवं उपलब्धियों पर एक मण्डल स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन विश्व बाल दिवस के उपलक्ष में आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुआ। यह संगोष्ठी संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौते (यू एन सीआरसी) के 35 वर्ष और यूनिसेफ के भारत में 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, संतकबीर नगर महेन्द्र सिंह तंवर एवं सिद्धार्थनगर राजा गड़पति आर तथा मुख्य विकास अधिकारियों समेत मण्डल स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

बैठक का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण और समावेशी विकास से सम्बन्धित चुनौतियों एवं प्राथमिकताओं की पहचान करना एवं लिंग और समानता जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतिम छोर के बच्चों के लिए परिणामों में तेजी लाने के लिए सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के पोषण पर विशेष जोर दिया और कहा, "अनिमिया की रोकथाम हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। हमे इलाज से अधिक बचाव पर ध्यान देना होगा, जिसके लिए महिलाओं और बच्चों हेतु उचित पोषण सुनिश्चित करना होगा। उन्होने बच्चों के बाल अधिकार एवं विकास के बारे मे विस्तार से बताया एवं समस्त स्कूल में बाल अधिकार एवं विकास की गोष्ठी आयोजन का सुझाव दिया। उन्होने यह भी बताया कि बच्चों को बाल कर्तव्य के बारे मे भी बताया जाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर. एस. दुबे ने बताया कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य एवं विकास के लिए पोषण को बढवा देने के लिए स्कूलों मे जागरूता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। यूनिसेफ उत्तर प्रदेश हेल्थ ऑफिसर डॉ. निर्मल सिंह ने विश्व बाल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा, "यूनिसेफ, उत्तर प्रदेश में सरकार व सभी हितधारकों के साथ मिलकर बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं सहभागिता के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। 'हर बच्चे को हर अधिकार' की परिकल्पना सबके सम्मिलित और सार्थक प्रयासों से हो, संभव है और इसलिए मंडलयुक्त एवं सभी जिलाधिकारियों का प्रभावी नेतृत्व और सतत् समीक्षा अत्यंत आवश्यक और सराहनीय है।

संगोष्ठी में संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, अपर निदेशक स्वास्थ्य विनीत राय वर्मा एवं समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मंडलीय/जनपदीय यूनिसेफ समन्वयक, अपर निदेशक शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, उप निदेशक कृषि आदि संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

केन्या ने अदाणी समूह के साथ जुड़ा समझौता रद्द किया

नई दिल्ली (आभा)। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने अदाणी समूह के साथ हुए उस समझैते को रद्द करने का आदेश दिया है, जिसके तहत देश के मुख्य हवाई अड्डे का नियंत्रण भारतीय समूह सौंप दिया जाना था। केन्या ने यह फैसला कंपनी के संस्थापक पर अमेरिका में अभियोग लगाए जाने के बाद किया गया।

रुटो ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्रालय की ओर से पिछले महीने अदाणी समूह की एक इकाई के साथ विद्युत वितरण लाइनों के निर्माण के लिए 736 मिलियन डॉलर के सार्वजनिक–निजी भागीदारी समझौते जिसकी मियाद 30 वर्ष थी, को भी रद्द करने का निर्देश दिया है।

शिक्षकों को दिया सुरक्षा, संरक्षा आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय सुरक्षा, संरक्षा और आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हुआ। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाणपत्र देते हुए कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास ही बेसिक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है। जिसमें आप सभी शिक्षकों की अहम भूमिका है। कहा कि इस प्रशिक्षण द्वारा हम स्वयं और बच्चों को सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। आज के समय में हमें हर कदम पर सुरक्षित रहने की आवश्यकता है। जिस तरह से अपराध व घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे जानकारी द्वारा ही बचा जा सकता है। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता कल्याण पाण्डेय ने बताया कि विभाग के गाइडलाइन के अनुसार बेहतर ढंग से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया है। कहा कि इस प्रशिक्षण से जनपद के बेसिक शिक्षा में सकारात्मक

-बच्चों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा का उद्देश्य - संजय शुक्ल

बदलाव देखने को मिलेगा। प्रशिक्षण के संदर्भदाता वंशराज गुप्ता, श्रुति त्रिपाठी, अमित वर्मा और अजीत सिंह ने प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा, कानूनी प्रावधान, शिकायत निवारण, व्यक्तिगत सुरक्षा के बारे में बड़े ही रोचक ढंग से बताया। प्रतिभागियों की ओर से विभिन्न समूहों में प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। कई प्रतिभागियों ने निपुण, स्वच्छता आदि से संबंधित गीत भी प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण में अमन सेन, डॉ गोविन्द, मो. इमरान खान, डॉ रविनाथ, डॉ ऋचा शुक्ला, वंदना चौधरी, कनिष्क सहायक नवनीत वर्मा, रमाकांत गौतम, विनोद कुमार, कुलदीप, विवेक, शिवम, नागेश, संदीप, सूरज आदि ने अपना योगदान दिया। कुलदीप, विवेक, शिवम, नागेश, संदीप, सूरज आदि ने अपना योगदान दिया।

पात्रों तक पहुंचायें योजनाओं का लाभ- मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होने मण्डल के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने विभाग से संबंधित योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत प्रगति लाना सुनिश्चित करें, जिससे प्रदेश में जनपद की रैकिंग ए प्लस श्रेणी में आ सकें। उन्होने मण्डल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के समस्त योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को ही मिले।

उन्होने संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी को निर्देश दिया कि मण्डल के जनपदों के कृषि गोदामों पर खाद व बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करे कि प्राईवेट संस्थानों से ओवर रेटिंग की शिकायत ना हों। जलजीवन मिशन (हर घर जल) की समीक्षा में उन्होने कार्यो में शिथिलता पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यो में तेजी लायें।

बैठक में उन्होने पाया कि शादी अनुदान योजनान्तर्गत बस्ती में शादी हेतु कुल 1189 के सापेक्ष 807, संतकबीर नगर में 1262 के सापेक्ष 813 तथा सिद्धार्थनगर में 1383 के सापेक्ष 1216 अनुमोदित है। भवन निर्माण की समीक्षा में उन्होने पाया कि बस्ती में 4 के सापेक्ष 2, संतकबीर नगर में 81 के सापेक्ष 80 तथा सिद्धार्थ नगर में 15 के सापेक्ष 13 कार्य पूर्ण हो चुके है।

उन्होने सड़क निर्माण, दिव्यांग पेंशन, आधार फीड़िग, 15वॉ वित्त आयोग, पर्यटन विभाग, कृत्रिम गर्भाधान, मत्स्य उत्पादन, अण्डा उत्पादन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, सेतु निर्माण, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, फसल बीमा, पीएम कुसुम, पं0 दीनदयाल स्ट्रीट लाइट, एकीकृत बागवानी, खराब ट्रांसफार्मर, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, बायोमेडिकल उपकरण, निराश्रित गोवंश का संरक्षण, प्रोजेक्ट अलंकार, एंबुलेन्स 102 व 108, मोबाइल मेडिकल यूनिट, सिटी स्कैन, दुग्ध मूल्य भुगतान, फैमिली आईडी, निराश्रित महिला पेंशन आधार सीडिंग, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजना तथा पशुओ का टीकाकरण आदि योजना की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने किया। इसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, संतकबीर नगर महेन्द्र सिंह तंवर, सिद्धार्थ नगर राजा गड़पति आर., सीडीओ जयेंद्र कुमार, जयकेश त्रिपाठी, प्रभारी सीडीओ राजेश कुमार, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, तीनों जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारीगण तथा मण्डल के विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में आतंकी हमला: 50 की मौत

लाहौर (आभा)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कुछ आतंकियों ने यात्री वाहनों के ऊपर हमला करके 50 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। प्रांत के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने बताया कि बंदूकधारियों ने गुरुवार को उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के एक आदिवासी इलाके में यात्री वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 50 लोग मारे गए और 20 घायल हो गए। हमले को लेकर स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों से भरे हुए तीन वाहन पाराचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर की ओर आ रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाकर बैठे आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक केपीके के कुर्रम आदिवासी इलाके में हुए इस हमले में छह महिलाओं और तीन बच्चों समेत 50 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। असलम चौधरी ने बताया कि इस घटना के दौरान गाड़ियों में बहुत लोग सवार थे, घायल हुए 29 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। मरने वालों की संख्या अभी बढ़ भी सकती है। अफगानिस्तान की सीमा से सटे इस कबायली इलाकों में जमीन विवाद को लेकर शिया और सुन्नी समुदाय के बीच में दशकों से तनाव बना हुआ है। हालांकि अभी तक किसी भी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है।

एन.ए.बी.एच. के मानकों पर खरा उतरा पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा का राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए. बी.एच.) के सदस्यों ने प्रोफेसर डा. अमित कुमार के साथ सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण में सेवायें मानक पर खरी उतरी और डेढ सौ शैय्या वाले हास्पिटल को (एन.ए. बी. एच.) की मान्यता प्रदान हो गई।

यह जानकारी देते हुये पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज के प्रबंधक डा. वी. के. वर्मा ने बताया कि हास्पिटल में चिकित्सा सेवा के सारे मानक नियमानुसार पूरे किये जाते हैं। (एन. ए. बी.एच.) के सदस्यों ने हास्पिटल और समस्त प्रपत्रों की सघन जांच किया। इस मान्यता के बाद अब पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज में कैशलेश चिकित्सा और अन्य सुविधायें उपलब्ध हो गई है। बीमित मरीज भी अपना इलाज करा सकेंगे।

बस्ती के निर्माण क्षेत्र में निवेश करेगा एम.वी.एच. ग्रुप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अमरजीत मिश्र ने एम.वी. एच. ग्रुप के शाखा कार्यालय का पटेल चौक पर उद्घाटन किया। उज्जैन महाकाल के सन्तोष गुरू ने विधि विधान से वैदिक मंत्रों के साथ उद्घाटन सम्पन्न कराया। अमरजीत मिश्र ने बताया कि एम.वी.एच. ग्रुप प्रदेश के अनेक जनपदों में फार्म हाउस को विकसित निर्मित कराने के साथ ही ई कार्मस, आई.टी. सल्यूशन, भवन निर्माण, सूचना एवं इलेक्ट्रिक स्कूटी के वितरण के क्षेत्र में कार्य रही है। कम्पनी विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का भी कार्य कर रही है।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार, पं. सरोज मिश्र, मनोज जायसवाल, मनोज सिंह, विनोद यादव, राजेश सिंह, रंजीत उर्फ पिन्टू यादव राजेश पाल चौधरी, राहुल सिंह, शिवानन्द पाठक, राम पाण्डेय, आशुतोष शुक्ल, भावेष पाण्डेय, मानस मनीष गुप्ता, अमित गुप्ता, प्रदीप चौधरी, यशपाल, आशीष चौधरी, राजन पाण्डेय के साथ ही अनेक विशिष्टजन शामिल रहे।

जबरिया जोतने लगे खेत, सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल के साथ संगठन पदाधिकारियों ने गुरूवार को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि कलवारी थाना क्षेत्र के गंगापुर माझा निवासी शान्ती निषाद पत्नी सुरेन्द्र निषाद के परिवार को न्याय दिलाया जाय।

डीएम को दिये ज्ञापन में शान्ती निषाद पत्नी सुरेन्द्र निषाद ने कहा है कि 21 नवम्बर की सुबह लगभग 8 बजे कपिलदेव प्रधान, राम प्रसाद प्रधान कई लोगों को साथ लेकर उसके खेत को जबरिया जोतने आ गये। जब सुरेन्द्र निषाद ने ऐसा करने से रोका तो कपिलदेव प्रधान, राम प्रसाद प्रधान ने उसे बुरी तरह से मारा पीटा और शान्ती के गले की चेन और उसके पति का मोबाइल छीन लिया। शान्ती निषाद ने घटना की सूचना 112 नम्बर पर दिया। मौके पर पुलिस पहुंची किन्तु न्याय दिलाने की जगह वह विपक्षियों को संरक्षण देकर खेत जोतवाने लगी। शान्ती का कहना है कि खेत को लेकर 2023 में सुलह समझौता हुआ था किन्तु विपक्षी उसे नहीं मान रहे हैं। उसने प्रशासन से मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही जमीन विवाद का निस्तारण कराते हुये उसके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

ज्ञापन सौंपते समय दुर्गावती, केतकी, हरिश्चन्द्र निषाद, केसरा, सुरेन्द्र निषाद, आकाश चौधरी, अंगद गुप्ता, शिव चौधरी, सुपुत्रा निषाद, प्रदीप यादव, मंजीत, अभिषेक चौधरी, अखिलेश प्रजापति, जशोदा निषाद, शहजाद आलम, अमरजीत, राजेश चौधरी के साथ ही सरदार सेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

भोजपुरी गीतों को नया आकाश दे रहे हैं बस्ती के गोविन्द

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऐसे समय में जब भोजपुरी के गीतों पर अश्लीलता भारी पड़ रही है, बस्ती जनपद के बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र के सेमरा चीगन निवासी गोविन्द पाण्डेय के भोजपुरी, अवधी में रचे बसे गीत सुकून के साथ ही संदेश भी दे रहे हैं। जीविका के लिये मुम्बई में गुजर बसर कर रहे गोविन्द अपनी माटी और उसकी परम्पराओं को सहेजे शव्दों को स्वर दे रहे हैं। इसमें रोजी रोटी के लिये पलायन का दर्द, नायक, नायिका की बेबशी, परिवार की जिम्मेदारियों के बीच गोविन्द के गीत आध्यात्मिक हो जाते हैं। उनके सहज गीतों के बोल श्रोताओं में सहज उत्सुकता पैदा करते हैं। 'कौने देशवा से आवेले जहजिया, हमार पिया न अइले'। 'कनवा के बडा बड़ा झाला' बलम अम्बाला से लाई दा' 'गजानन सुन लो अरज हमारी, आइल नवरातन सजल बा बजरिया, जमाना सारा नाच रहल, माई के दुअरिया' जैसे गीत धूम मचा रहे हैं।

गोविन्द पाण्डेय ने बताया कि अब तक उनके 21 गानों को एल्बम में ढाला गया है। आव्या दुबे, मोहन राठौर, ममता रावत, पूजा सिन्हा, प्रीती राज, विक्रान्त पाण्डेय, अमित सिंह आदि ने उनके गीतों को स्वर दिया। आर. घनश्याम, श्रवण, मनोहर एम वर के निर्देशन में गोविन्द के गीतों की यात्रा सहज रूप में आगे बढ रही है। उनके गीतों की ऋंखला वर्ल्ड म्यूजिक चैनल पर उपलब्ध है और लाखों की संख्या में श्रोता उनके गीतों में डूब उतरा रहे हैं। गोविन्द का लक्ष्य अवधी, भोजपुरी और हिन्दी सिनेमा में अच्छे कर्ण प्रिय गीत लिखने का है जिसमें जीवन यात्रा का संदेश छिपा हो। वे निराश मन को नई ताकत दे सके। गोविन्द का मानना है कि पूर्वान्चल की माटी में बहुत कुछ रचा बसा है, उसे सही शव्द मिले तो गीतों के आकाश को ऐसे समय में नवीन ऊर्जा मिलेगी जब गीतों से केवल शरीर हिल रहा है और आत्मा बेचैन है। बहर हाल बस्ती की माटी में रचे बसे गोविन्द से बड़ी उम्मीदें हैं कि वे गीतों के सास, विश्वास और आकाश को नई ऊंचाई देंगे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 नवम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

कैदियों के रिहाई की पहल

यह तथ्य चिंताजनक है कि भारतीय जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखा जा रहा है। इन कैदियों में 75 प्रतिशत उन कैदियों का है जो विचाराधीन हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री की वह घोषणा उम्मीद जगाती है जिसमें कहा गया है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस तक अपनी अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि काट चुके कैदियों के लिये न्याय सुनिश्चित करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। निस्संदेह, इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह न्याय सुनिश्चित करने के मार्ग में चुनौतियां बहुत अधिक हैं। विडंबना यह है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 जैसे हालिया विधायी सुधारों के बावजूद प्रणालीगत विसंगतियां बनी हुई हैं। विचाराधीन कैदियों की रिहाई में तेजी लाने के सुप्रीम कोर्ट के रुख ने एक जटिल समस्या के निराकरण की जरूरत को बताया है। दरअसल, नौकरशाही की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते जेल में बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई में देरी होती रही है। यही वजह है कि गरीब कैदियों के लिये वित्तीय सहायता के प्रावधान जैसी सहायक योजनाओं के बावजूद क्रियान्वयन असंगत बना हुआ है। जिसके चलते बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं। दरअसल, समस्या की जड़ आपराधिक न्याय प्रणाली में निहित रही है। जो सुधारात्मक और पुनर्वास की प्राथमिकताओं वाले न्याय की बजाय दंडात्मक उपायों को प्राथमिकता देती है। वहीं जमानत की शर्तों को उदार बनाने में न्यायिक हिचकिचाहट, पात्र कैदियों की पहचान करने में प्रणालीगत देरी के चलते इस मुद्दे को जटिलता में उलझा देती है। वहीं दूसरी ओर कानूनी सेवा प्राधिकरणों के बजाय जिला कलेक्टरों पर इस योजना की निर्भरता ने इस प्राथमिकता को गौण बना दिया है। दरअसल, जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने के लिये देश को प्रतीकात्मक समय सीमा से आगे जाने की जरूरत है। न्याय सुनिश्चित करने के लिये हमें समीक्षा समितियों के माध्यम से पहचान और रिहाई की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना होगा, वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी इस पहल में शामिल करना आवश्यक है।

यद्यपि प्रौद्योगिकी एकीकरण और सुधारों के गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन उम्मीद जगाते हैं, लेकिन क्रियान्वयन में तेजी लाने की जरूरत है। निस्संदेह, प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने के लिये न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना चाहिये। हमें याद रखना जरूरी है कि न्याय मिलने में देरी का होना न केवल कैदियों को न्याय से वंचित करना है बल्कि यह संविधान में निहित व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का भी अतिक्रमण है। निस्संदेह, विचाराधीन कैदियों की दशा में सुधार करना मानवीय गरिमा के प्रति देश की प्रतिबद्धता की परीक्षा भी है। ऐसे में सलाखों के पीछे कैद करीब पांच लाख कैदियों की आवाज को अनसुना नहीं किया जाना चाहिए। यह तार्किक व ठोस कार्रवाई करने का वक्त भी है। तभी विचाराधीन कैदियों को खुली हवा में सांस लेने का मौका मिल सकेगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलों में जो जरूरत से ज्यादा कैदी भरे हुए हैं उनमें अधिकांश गरीब व वंचित तबके के लोग हैं। उनमें ऐसे गरीब लोगों की संख्या अधिक है जिनकी जमानत लेने वाला भी कोई नहीं है। नीति नियंताओं को याद रखना चाहिए कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार होता है न कि सिर्फ दंडित करना। दुर्दांत व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें तो विषम हालात या आवेश में अपराध कर बैठे कैदियों की सोच बदलकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना जेलों का पहला मकसद होना चाहिए। विगत में सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्देश दिया था कि विचाराधीन कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। ऐसे में खचाखच भरी जेलों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिये विचाराधीन कैदियों को समय रहते न्याय दिलाने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय होना चाहिए। यह नजरिया न केवल प्रगतिशील है बल्कि न्यायपूर्ण भी है। ऐसे में गृह मंत्रालय की न्याय दिलाने की पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

भ्रष्टाचार की गिरफ्त में आयुष्मान योजना

—रोहित माहेश्वरी—

बीते दिनों गुजरात के अहमदाबाद में आयुष्मान भारत के दो लाभार्थियों की मौत ने हड़कंप मचा दिया है। परिजनों का आरोप है कि ख्याति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने योजना के रुपये लेने के लिए अंधेरे में रखकर एंजियोप्लास्टी करते हुए स्टेंट डाले। इसके बाद मौत हुई। केंद्र सरकार की सफल आयुष्मान भारत योजना से पैसा ऐंठने के आरोपों के बाद यह पूरा मामला सुर्खियों में आ गया है। पीड़ित परिवरों के साथ गांव के सरपंच ने जो आरोप लगाए हैं वे उन आरोपों को पुख्ता कर रहे हैं कि मेडिकल माफिया की सरकारी योजनाओं में घुसपैठ है। इसमें गरीब मरीजों के हक के पैसे से कमीशन एजेंट अपनी जेब में भर रहे हैं। दूसरी ओर गरीबों को सही इलाज भी नहीं मिल पा रहा है।

ताजा मामले में अहमदाबाद के ख्याति अस्पताल ने 19 लोगों की एंजियोग्राफी की थी, इसके बाद सात लोगों की एंजियोप्लास्टी करते हुए उन्हें स्टैंड डाले गए थे। इसमें दो की मौत हो हुई है। परिजनों का आरोप है कि उन्हें हृदय रोग की बीमारी नहीं थी। अस्पताल प्रशासन ने एंजियोप्लास्टी करने के दौरान परिजनों को अंधेरे में रखा। गुजरात सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं लेकिन सवाल खड़ा हो रहा है कि मेडिकल माफिया के काले गठजोड़ से कहीं आयुष्मान योजना जान से खेलने वाली स्कीम न बन जाएं। कांग्रेस ने भी इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया है।

असल में सेहत और इलाज के सौदागरों ने 'आयुष्मान भारत' योजना में भी भ्रष्टाचार खोज लिया है। निजी अस्पताल लाखों रुपए कमा रहे हैं। फर्जी इलाज किए जा रहे हैं और बीमे के क्लेम भी फर्जी हैं। निजी अस्पतालों की सिंडिकेट लॉबी ने डॉक्टरों को भी भ्रष्ट और अनैतिक होने पर विवश कर दिया है। यदि आप अस्वस्थ हैं और अस्पताल जाने की नौबत आ जाए, तो अस्पताल वाले सबसे पहला सवाल यही करेंगे–आयुष्मान कार्ड है? चूंकि इलाज का खर्च आपको नहीं करना। 'आयुष्मान कार्ड' के जरिए भारत सरकार 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करती है, लिहाजा अस्पताल उस कार्ड के जरिए सरकार से बीमे का क्लेम वसूल लेते हैं। सौदागरों ने आयुष्मान के माध्यम से अपनी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता खोज लिया है और उसका भरपूर दोहन किया जा रहा है।

गुजरात की घटना पर मौजू सवाल यह है कि क्या ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर वाकई 'कॉर्डियोलॉजिस्ट' थे? क्या ऑपरेशन करना जरूरी था? क्या स्टेंट बेहतर क्वालिटी के थे अथवा सस्ते, घटिया स्टेंट डाल कर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया गया? डॉक्टर फरार बताए जाते हैं, लेकिन उनकी पेशेवर मान्यता का क्या होगा? क्या मान्यता रद्द की जाएगी और डॉक्टर के खिलाफ हत्या का केस चलाया जाएगा? इस संदर्भ में सबसे बड़ा और काला खलनायक तथा अपराधी तो अस्पताल प्रबंधन है।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पहला सवाल यह है कि अस्पताल प्रशासन की कोई चूक नहीं थी तो डॉक्टरों के साथ तमाम जिम्मेदार क्यों अस्पताल छोड़कर भाग गए। राज्य सरकार ने दो लोगों की मौत और पांच अन्य की तबीयत बिगड़ने की मामले की जांच के आदेश दिए हैं लेकिन पीड़ित परिवार न्याय मांग रहे हैं क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ड्रीम योजनाओं में शामिल आयुष्मान भारत योजना का कार्ड लेकर मेहसाणा के कड़ी तहसील में पड़ने वाले बोरिसाना गांव के लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इसके बाद लोगों में नाराजगी और आक्रोश है। यह पूरा मामला गुजरात के पूर्व डिप्टी सीएम नितिन पटेल के कड़ी तहसील से जुड़ा है। पटेल ने भी पीड़ितों से मिलने के बाद अपनी चिंता व्यक्त की है।

वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश में आयुष्मान योजना की खबरें प्रकाशित हुई थी। दरअसल प्रधान मंत्री आयुष्मान योजना की आड़ में पैसे कमाने के लिए राज्य में मरे लोगों का इलाज कागजों पर दिखाया गया और भ्रष्टाचार किया गया। मरे हुए लोगों को आयुष्मान योजना के तहत एडमिट कर पैसे निकाल लिए गए। एमपी में आयुष्मान योजना की दुर्दशा हो रही है। भ्रष्टाचारियों ने आयुष्मान भारत को भ्रष्टाचार का जरिया बना लिया है। भ्रष्टाचार के कई मामले विभिन्न राज्यों में भी प्रकाश में आये हैं, जिनकी जांच जारी है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में कई फर्जीवाड़े हुए हैं। जिनमें बेनिफिशियरी आईडेंटिफिकेशन सिस्टम के जरिए सबसे बड़ी गड़बड़ी यह सामने आई है कि योजना के लगभग 7.50 लाख लाभार्थियों का मोबाइल नंबर एक ही था। कैग ने अपनी रिपोर्ट 8 अगस्त 2023 को लोकसभा में पेश की, जिसमें सितंबर 2018 से मार्च 2021 तक के परफॉर्मेंस ऑडिट रिजल्ट शामिल किए गए हैं।

कैग की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि 43,197 घरों में परिवार का आकार 11 से 201 सदस्यों तक का था। एक घर में इतने सदस्यों का होना न केवल रजिस्ट्रेशन प्रोसेस के दौरान वेरिफिकेशन में फर्जीवाड़े को दिखाता है, बल्कि इस बात की भी संभावना है कि लाभार्थी इस योजना में परिवार की परिभाषा स्पष्ट न होने का फायदा भी उठा रहे हैं।

आयुष्मान योजना का लाभ चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में कई पेंशनभोगी उठा रहे हैं। तमिलनाडु सरकार के पेंशनभोगी डेटाबेस की इस योजना के डेटाबेस से तुलना करने पर पता चला कि 1,07,040 पेंशनभोगियों को लाभार्थियों के रूप में शामिल किया गया था।

देश में हर साल बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में कई लोगों की जान चली जाती है। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण ये लोग किसी प्रकार की गंभीर बीमारी होने पर अपना ठीक ढंग से इलाज नहीं करा पाते हैं। इसी समस्या को देखते हुए भारत सरकार ने कुछ सालों पहले आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की थी। इस स्कीम को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नाम से भी जाना जाता है।

आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत जरूरतमंद लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराया जाता है। इस योजना की शुरुआत 5 फरवरी 2018 में हुई थी। भारत सरकार ने आयुष्मान कार्ड का दायरा बढ़ाया है। अब 70 साल की उम्र वाला प्रत्येक नागरिक यह स्वास्थ्य बीमा पाने का पात्र है। करीब 5 लाख लोगों ने विस्तारित योजना के तहत अपना पंजीकरण भी करा लिया है। करीब 6 करोड़ बुजुर्ग भारतीय इस नई योजना से लाभान्वित होंगे। देखना होगा कि भ्रष्ट व्यवस्था और नैतिक पतन का शिकार यह योजना भी होगी अथवा नहीं।

आयुष्मान की विस्तारित योजना के लिए अलग से किसी बजट का प्रावधान अभी नहीं किया गया है। यकीनन यह योजना बेहद मानवीय और अद्वितीय है, लेकिन राज्यों की ढिलाई, सरकारी अस्पतालों में साधनहीनता और भेड़–बकरी की तरह भीड़, लिहाजा आम आदमी की बढ़ती उदासीनता, निजी अस्पतालों के ऐसे भ्रष्ट और अनैतिक सौदागर, बूढ़े लोगों का अशिक्षित और शारीरिक तौर पर अक्षम होना ऐसे सवाल हैं, जो सोचने को बाध्य करते हैं।आयुष्मान योजना में ही भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। बहरहाल यह जो मामला बेनकाब हुआ है, उसमें ऐसी कठोर कार्रवाई की जाए कि सौदागरी करने वाले ही भूल जाएं। कमोबेश डॉक्टर के पेशे को तो दैवीय और पवित्र रहने दो। मोदी दावा करते रहे हैं, कि उनके राज में भ्रष्टाचार कम हुआ है, लेकिन यह मामला इस दावे की पोल खोलता है।

बसपा को उप चुनाव से क्या हासिल..!

—संजय सक्सेना —

उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में किसको कितनी सीटें मिलेंगी,इसको लेकर तो चर्चा हो सकती है,परंतु उप चुनाव में जिस तरह का मतदान देखने को मिला उससे यही लगता है कि बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर हासिये पर ही खड़ी नजर आई। किसी भी सीट पर बसपा फाइट करती नहीं दिखी। बसपा सुप्रीमो मायावती के लिये लगता है अब आगे की राह आसान नहीं रह गई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि बसपा का कोर वोटर कहलाने वाले दलितों ने अब भाजपा–सपा के रूप में अपनी नहीं मंजिल चुन ली है।इसी वजह से कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी, जिसके चलते भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए हैं। बसपा की तरह ही चन्द्रशेखर आजाद की आजाद पार्टी भी कोई गुल खिलाते नहीं दिखी है। कई सीटों पर दलित मतदाता मुख्य रूप से भाजपा–सपा के बीच बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने बीजेपी–सपा के जीत के आकड़े को थोड़ा उलझा दिया है, जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा जायेगें, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा। सबसे बड़ी बात यह रही कि मुरादाबाद की मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उधर, कानपुर की सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के करीब 5.0 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा।

समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी के कटेहरी उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। हां, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है।यहां सीधा मुकाबला सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव और भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह में रहा।

मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। बसपा और आसपा प्रत्याशियों के बीच तीसरे नंबर की लड़ाई दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले गांव के मत प्रतिशत से नतीजे तय होने के आसार बन गए हैं।अति पिछड़ा वर्ग और जाट मतों की अधिकता वाले गांव में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में रुझान नजर आया। भोकरहेड़ी, करहेड़ा, बेलड़ा समेत अन्य गांवों में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं की लामबंदी दिखी। मुस्लिम मतों की अधिवक्ता वाले ककरौली, सीकरी, मीरापुर, जटवाड़ा, जौली में सुबह मुस्लिम मतदाता सपा, बसपा और आसपा के बीच बंटते नजर आए। ककरौली में पथराव के बाद मुस्लिम मतों की लामबंदी सपा प्रत्याशी के समर्थन में अधिक दिखी। मीरापुर में अनुसूचित जाति के मतदाताओं में बिखराव नजर आया। युवाओं ने आसपा को तरजीह दी, जबकि अन्य मतदाताओं की पहली पसंद बसपा नजर आई। गुर्जरों के मतों के बंटवारे पर भी सबकी निगाह बनी हुई है।

प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में करीब एक दर्जन प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे थे लेकिन, मुख्य मुकाबला भाजपा–सपा के बीच है। कुछ इलाकों में सपा भारी दिखाई दी तो कुछ में भाजपा। दलित वोटरों ने किसके पक्ष में मतदान किया, इस पर परिणाम तय होगा। उधर, अलीगढ़ की खैर सीट पर भी सपा और भाजपा प्रत्याशी के बीच सीधी टक्कर दिखी।

बसपा का मत प्रतिशत गिरने के बाद यह चर्चाएं शुरू हो गईं कि उसका कोर वोट बैंक उसका साथ छोड़ रहा है। हालांकि, बसपा सुप्रीमो मायावती लगातार यह कहती आ रही हैं कि सोशित व वंचित समाज के लोग आज भी उसके साथ वैसे ही जुड़े हुए हैं। अब देखना होगा कि विधानसभा उपचुनाव में उसके लिए कितना लाभदायक साबित हुआ। उपचुनाव वाली सीटों पर विधानसभा चुनाव 2022 में बसपा तीसरे और चौथे स्थान पर रही थी। सिर्फ खैर सीट पर ही वह दूसरे नंबर पर पहुंची थी। बसपा ने उपचुनाव में सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर उम्मीदवार उतारते हैं। अब देखने वाला होगा कि बसपा अपने रणनीति में कितना सफल होती है। उसके लिए यह उपचुनाव कई मायनों महत्वपूर्ण है। पहला, उसे मत प्रतिशत बढ़ाते हुए यह साबित करना होगा कि उसका वोट बैंक आज भी उसके साथ है, दूसरा यह कि मीरापुर व कुंदरकी में उनके मुस्लिमों उम्मीदवारों को कितना पसंद किया गया।

क्रिकेट की पिच पर पाक को शिकस्त

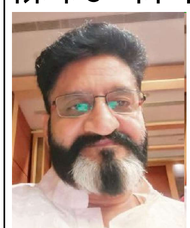

—हरीश मलिक—

क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) राजनीति की पिच पर हार सुनिश्चित होने के बावजूद खेल खेलने में लगा है। पाकिस्तान के हुक्मरानों की शह पर वह जो चालें चल रहा है, उसमें खुद ही फंसकर रह गया है। अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी क्रिकेट में सियासत की बिसात बार–बार बिछाने में लगा है। यह अलग बात है कि इस चौसर पर वह खुद चारों खाने चित है। पहले दुनियाभर का ध्यान खींचने के लिए पीसीबी ने चौंपियंस ट्रॉफी का टूर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के शहरों में कराने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह इस जिद पर अड़ा था कि भारत को पाकिस्तान आकर ही इस ट्रॉफी में खेलना होगा। अब दोनों ही मोर्चों पर भारत, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और ब्रॉडकास्टर्स के तिहरे दबाव के बाद पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है।

भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान जाकर खेलने से पहले ही साफ इनकार कर दिया है। सुरक्षा कारणों से पहले भी कई देश पाकिस्तान का दौरा रद्द कर चुके हैं। दरअसल, 2009 में श्रीलंकाई टीम पाकिस्तान के दौरे पर थी। सीरीज का पहला मैच 21 से 25 फरवरी तक कराची में खेला गया था, जो ड्रा रहा। दूसरा मैच लाहौर में 1 मार्च से 5 मार्च तक खेला जाना था, लेकिन इसी बीच 3 मार्च को श्रीलंकाई टीम पर आतंकी हमला हो गया। इसके बाद दुनियाभर की टीमों ने खेलने के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 2021 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे पर आकर बगैर कोई मैच खेले, वापस लौट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान दौरे पर अपनी महिला और पुरुष टीमों को भेजने का फैसला रद्द कर दिया। भारतीय क्रिकेट टीम तो पिछली बार 2008 में एमएस धोनी की अगुवाई में पाकिस्तान गई थी। इसी साल नवंबर में मुंबई पर आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया था। तब से दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी और अन्य इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में ही भिड़ती हैं।

अब काफी जद्दोजहद और 29 साल के बाद पाकिस्तान को किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिला है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी नापाक करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, सुरक्षा कारणों के चलते बीसीसीआई ने आईसीसी से अपने मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत किसी दूसरे देश में कराने का आग्रह किया था। लेकिन पीसीबी लगातार हाइब्रिड मॉडल अपनाने से मना करता रहा है। इस पर आईसीसी ने साफ कहा कि पाक की जिद के चलते चौंपियंस ट्राफी को ही रद्द किया जा सकता है। क्योंकि भारत के बगैर क्रिकेट के किसी वैश्विक टूर्नामेंट की कल्पना ही नहीं की जा सकती। भारत और आईसीसी के अलावा मैच के ब्रॉडकास्टर्स ने भी पाक पर दबाव बनाया है कि उसे इस बात को बिल्कुल इश्यू नहीं बनाना चाहिए कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आ रही है। टूर्नामेंट रद्द होने का सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान पाक को ही उठाना पड़ेगा।

दरअसल, ब्रॉडकास्टर्स का आईसीसी के साथ 2024 से 2027 तक के सभी टूर्नामेंटों के लिए 3 बिलियन डॉलर (करीब 2534 करोड़ रुपये) का करार है। यदि चौंपियंस ट्रॉफी स्थगित होती है तो ब्रॉडकास्टर्स को करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। बता दें कि 2023 वनडे विश्व कप से ब्रॉडकास्टर्स को 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई थी। ब्रॉडकास्टर्स ने आईसीसी पर दबाव बनाया कि टूर्नामेंट का आयोजन किसी भी हाल में होना चाहिए, फिर भारतीय टीम चाहे किसी और देश में खेले। आईसीसी ने पीसीबी के अधिकारियों को साफ तौर पर कहा कि उसे अड़ियल रवैये के बजाय इस टूर्नामेंट से होने वाले मुनाफे के बारे में सोचना चाहिए। गौरतलब है कि 2023 वनडे विश्व कप में बीसीसीआई को करीब 11,637 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। इसी प्रकार 2022 टी–20 विश्व कप में 358 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हुआ था।

अभी कुछ समय पहले तक पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भी सोशल मीडिया पर हाइब्रिड मॉडल नहीं अपनाने और टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की मांग कर रहे थे, लेकिन अब आर्थिक नुकसान के आंकड़े देखते हुए उनके भी सुर बदलने लगे हैं। आखिरकार ना–नुकर कर रहे पाकिस्तान को घुटने टेकने ही पड़े हैं। अब इस बात पर करीब–करीब सहमति बन गई है कि भारत के मुकाबले हाइब्रिड मॉडल पर यूएई में होंगे। इसके अलावा सेमीफाइनल और फाइनल वहीं कराए जाएंगे, क्योंकि यदि भारत यहां तक का सफर तय कर लेता है तो फिर विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है।

हाइब्रिड मॉडल पर अड़ंगे के अलावा पाकिस्तान ने खेल में राजनीति करते हुए विवादित पीओके का मुद्दा गरमा दिया था। पीसीबी ने चौंपियंस ट्रॉफी का 24 नवंबर तक का टूर घोषित किया। पीसीबी ने एक पोस्ट में कहा, 'तैयार हो जाओ, पाकिस्तान। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी–2025 का टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा, जिसमें स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे दर्शनीय पर्यटन स्थलों का भी दौरा किया जाएगा।' पीसीबी ने जानबूझकर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के इन चारों शहरों को टूर में शामिल किया। भारत का कहना रहा है कि यह हमारे देश का हिस्सा हैं, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा जमाया हुआ है।

ऐसे में विवादित क्षेत्र में जान–बूझकर चौंपियंस ट्रॉफी टूर ले जाने को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता था। इसलिए भारत ने इस पर सख्त आपत्ति दर्ज की। इसके साथ ही बीसीसीआई ने तत्काल आईसीसी को दखल देकर पीओके में टूर पर रोक लगाने की मांग की। आईसीसी ने चौंपियंस ट्रॉफी के पीओके के टूर पर न सिर्फ रोक लगा दी है, बल्कि इसे रि–शेड्यूल करने के लिए भी कहा है। बहरहाल, पाकिस्तान की भारत–विरोधी सारी नापाक कोशिशों पर पानी फिर गया है।–लेखक वरिष्ठ संपादक हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने मां पाटेश्वरी का किया पूजन, गोशाला का निरीक्षण कर गौसेवा की

संवाददाता—बलरामपुर। अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर में आदिशक्ति मां पाटेश्वरी देवी का पूजन अर्चन किया। मंदिर के गर्भगृह में शक्ति की आराधना कर लोक कल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर की गौशाला में जाकर गोवंशों को गुड़ व हरा चारा खिलाया। साथ ही थारू जनजाति छात्रावास के बच्चों से भी सीएम मुखातिब हुए। शक्तिपीठ की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सुबह लगभग दस बजे मुख्यमंत्री लखनऊ के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बुधवार को बलरामपुर पहुंचे थे। सीएम ने शक्तिपीठ देवीपाटन में रात्रि विश्राम किया। रात्रि विश्राम के बाद गुरुवार सुबह सीएम ने अष्टमी के दिन मां पाटेश्वरी देवी का विधिवत पूजन अर्चन किया। परम्परागत तरीके से मंदिर के गर्भगृह में जाकर सीएम ने करीब एक घंटे तक शक्ति की आराधना की। इस दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया गया था। मंदिर के पुजारी ने सीएम को पूजा कराई। पूजन के पश्चात सीएम ने हर बार की तरह इस बार भी मंदिर की गौशाला में गए, जहां पर उन्होंने गोवंशों को हरा चारा व गुड़ खिलाया। साथ ही मंदिर में चल रहे थारू जनजाति छात्रावास के छात्रों से मुखातिब हुए। उनके पठन पाठन सम्बन्धी विषयों पर जानकारी ली। मंदिर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा मुख्यमंत्री ने लिया। मंदिर के पीठाधीश्वर महंत मिथलेशनाथ योगी ने मंदिर की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। सुबह दस बजे मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। इस दौरान जिलाधिकारी पवन अग्रवाल, एसपी विकास कुमार सहित पूरा प्रशासनिक अमला शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पर डटा रहा। मुख्यमंत्री की मौजूदगी के दौरान शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। पूरी शक्तिपीठ की सुरक्षा अभेद थी। चप्पे–चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती थी। अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही थी। खुफिया एजेन्सियां भी सक्रिय थी। एसएसबी के डाग स्कायड को भी परिसर में लगाया गया था। मेडिकल टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया था। तुलसीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सेफ हाउस बनाया गया था। सुबह जब साढ़े नौ बजे मुख्यमंत्री गोरखपुर के लिए रवाना हुए तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। मुख्यमंत्री की मौजूदगी के कारण जिले के सभी जनप्रतिनिधि गुरुवार सुबह शक्तिपीठ पहुंच गए थे। सदर विधायक पलटूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल, पूर्व सांसद दद्दन मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू सहित भारी संख्या में भाजपाई देवीपाटन मंदिर पहुंचे हुए थे। लौटते हुए सभी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल व एसपी विकास कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री का दो दिवसीय दौरा सकुशल सम्पन्न हो गया।

आखिकार बिजली निगम ने तरयासुजान फीडर के जेई को किया कार्यमुक्त

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर। बिजली की गलत बिलिंग के मामले में निगम ने आखिरकार तरयासुजान फीडर के जेई महेंद्र कुमार को रिलीव कर दिया। नवागत जेई अब्दुल बारी अली ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। देवरिया स्थानांतरित किए जाने के बावजूद उन्हें रिलीव नहीं किया जा रहा था। हिन्दुस्तान में खबरें प्रकाशित होने तथा मुख्य अभियंता के संज्ञान में आने के बाद उन्हें रिलीव कर दिया गया। तरयासुजान निवासी प्रवीण मणि त्रिपाठी ने शिकायत किया था कि बिलिंग करने वाली क्विज कंपनी जनपद में फर्जी बिलिंग कर रही है। ऊर्जा मंत्री के आदेश पर हुई जांच के बाद क्विज कंपनी ने जनपद के सेवरही, पडरौना और कसया से 54 मीटर रीडर सहित एक सुपरवाइजर व एक सर्किल ऑफिसर पर कार्रवाई की थी। सुपरवाइजर और सर्किल ऑफिसर पर मुकदमा पंजीकृत कराने का आदेश दिया था। इसके अलावा निगम ने तरयासुजान के जेई पर आरोप पत्र दायर करते हुए देवरिया स्थानांतरित कर दिया, लेकिन स्थानांतरण के बाद भी जेई रिलीव नहीं हुए थे। इस खबर को हिन्दुस्तान अखबार ने 13 नवंबर के अंक में फर्जी बिलिंग मामले में मुकदमा न रिलीव हुए जेई नामक शीर्षक से प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर का असर हुआ और बिजली निगम ने जेई को रिलीव कर दिया है।

इनके स्थान पर निगम ने दो जेई नियुक्त किया था सरताज अली और अब्दुल बारी अली। पूर्व में गुरवलिया में कार्यरत जेई अब्दुल बारी अली ने नवागत जेई के रूप में बुधवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया, जबकि दूसरे जेई ने अभी कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। गलत बिलिंग मामले में क्विज कम्पनी ने अपने सुपरवाइजर और सर्किल ऑफिसर पर मुकदमा पंजीकृत करने को कहा था, परंतु अभी तक इन पर मुकदमा पंजीकृत नहीं कराया है। इस कंपनी के गोरखपुर जोनल हेड सरोज कुमार ने बताया कि पिछले सप्ताह मैंने कसया और सेवरही थाने पर तहरीर सहित बयान दे दिया था, परंतु अभी तक मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ है।

अलग–अलग हादसों में किशोर समेत दो की मौत

संवाददाता—गोण्डा। सड़क हादसों में किशोर सहित दो लोगों की मौत हो गई। इसी दिन किशोर का जन्मदिन था। वह ननिहाल गया था। ननिहाल से वापस घर लौट रहा था। लेकिन, घर पहुंचने से पहले उसे मौत लील गई। घटना से घर में कोहराम मच गया। दो अलग–अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक युवक व एक किशोर की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनाओं की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई कर रही है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के लौव्वाबीरपुर नई बस्ती निवासी विशाल (17) बुधवार को क्षेत्र के नगवा गांव के बाबा झानदास पुरवा स्थित अपने ननिहाल गया था। रात में करीब 11 बजे वहां से बाइक से वह घर वापस आ रहा था। कटी तिराहे पर किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे स्थानीय सीएचसी पर भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए रेफर कर दिया। परिजनों ने किशोर को कस्बे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि बुधवार के दिन ही उसका जन्मदिन था। मां कुसुमा बेटे की मौत के बाद बदहवास हैं। मृतक के पिता सूरत में मजदूरी करते हैं। मृतक कस्बे में एक किराने की दुकान पर नौकरी करता था। उससे छोटी दो बहनें गुड़िया (15), प्रिया (12) और एक छोटा भाई सनी (09) हैं।

दूसरी घटना में थाना क्षेत्र के हरिवंशपुर गांव के रमई पुरवा निवासी श्याम लाल चौहान (35) बुधवार की देर शाम वह मोफिया गांव से बाइक से घर वापस लौट रहा था। रास्ते में उतरगंगा पुल के पास उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें स्थानीय सीएचसी पर भर्ती कराया।

वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी अनीता बेहोश हो गई। मृतक की तीन संतानों में सबसे बड़ा बेटा कलदेव (14), कल्लू (12) और पुत्री शिवानी (08) हैं। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि दुर्घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बर्खास्त शिक्षकों पर एफआईआर नहीं कराने पर चार बीईओ के खिलाफ डीओ लेटर

संवाददाता—महराजगंज। बीएसए श्रवण कुमार गुप्ता ने बर्खास्त हो चुके 11 शिक्षकों के खिलाफ निर्देश के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं कराने के मामले में खंड शिक्षा अधिकारियों पर शिकंजा कसा है। परतावल, पनियरा, निचलौल व सिसवा के बीईओ के खिलाफ डीओ लेटर जारी कर दिया है। इससे विभाग में हड़कंप मच गया है। अनुशासनहीनता के आरोप में इन खंड शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक विद्यालयों में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नौकरी की शिकायत पर जांच रिपोर्ट के आधार पर पिछले चार साल में दो दर्जन से अधिक शिक्षकों को बर्खास्त किया जा चुका है। इन शिक्षकों की नियुक्ति तिथि से वेतन रिकवरी व विधिक कार्रवाई के लिए एफआईआर दर्ज कराने का आदेश जारी है। एफआईआर संबंधित ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारियों को कराना था। लेकिन बर्खास्त 11 शिक्षकों के खिलाफ अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया है। इसमें से कुछ शिक्षकों की बर्खास्तगी डेढ़ से दो साल पहले हुई है। एफआईआर दर्ज होने की वजह से फर्जी शिक्षक गिरफ्त से दूर हैं। वेतन की रिकवरी नहीं हो पा रही है। आरोप लगता है कि खंड शिक्षा अधिकारी सांठगांठ के चलते एफआईआर दर्ज नहीं करा रहे हैं।

फर्जी नियुक्ति में परतावल क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय धनगड़ा के शिक्षक राजकुमार यादव, प्राथमिक विद्यालय बैजौली के शिक्षक दिनेश चंद, पनियरा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय डिहवा के शिक्षक प्रेमचंद शुक्ल, निचलौल क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय शिकारपुर के शिक्षक अजय प्रताप, पैकौली के शिक्षक वेदानंद यादव, अदरौना के शिक्षक रतन कुमार पांडेय, बकुलडीहा के शिक्षक कन्हैया लाल यादव, बढ़ैपुरवा के शिक्षक अरविन्द यादव, बैदवलिया द्वितीय के शिक्षक सैयद अली व सिसवा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मटियरिया के शिक्षक जयप्रकाश पांडेय व प्राथमिक विद्यालय पिपरिया कला के शिक्षक उस्मान गनी को बर्खास्त किया जा चुका है, लेकिन बीएसए के आदेश के बाद भी अभी तक इन बर्खास्त शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया है।

फर्जी नियुक्ति में बर्खास्त किए जा चुके शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश जारी है, लेकिन चार ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारियों ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया है। यह अनुशासनहीनता है। इस मामले में परतावल, पनियरा, निचलौल व सिसवा के बीईओ के खिलाफ डीओ लेटर जारी किया गया है।

चकबंदी पर रोक लगाने को डीएम से मांग

संवाददाता—देवरिया। भाटपाररानी तहसील के ग्राम सभा पिपरा विठ्ठल में शुरू होने वाले चकबंदी पर रोक लगाने की मांग लेकर भाकियू, जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण शाही उर्फ बड़े शाही एवं जिला पंचायत सदस्य अजीत सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा है कि पिपरा विठ्ठल में पूर्व में चकबंदी हो चुकी है और गांव में चकबंदी कराने की जरूरत नहीं है। वर्ष 2014 में चकबंदी में गांव के चयनित होने के बाद से ही ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। गांव के पूरब तरफ छोटी गण्डक नदी बहती है तथा उसके बाद रेलवे लाइन के लिए कुछ जमीन अधिग्रहित हो गयी है, जबकि गांव के उत्तर तरफ पडुआ नाला बहता है। यदि गांव में चकबंदी किया जाता है तो ग्रामीणों को काफी नुकसान होगा। ग्राम पंचायत के 70–80 फीसदी किसान चकबंदी नहीं चाहते है, अगर विरोध के बाद भी चकबंदी करने से नहीं रोका गया तो किसान आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन देने में भाकियू, जिला कोषाध्यक्ष चन्द्रदेव सिंह,भाकियू मण्डल प्रवक्ता अरविन्द उपाध्याय, अरविंद गिरी, छट्ठू यादव, विनोद कुमार, वीरेंद्र सिंह, सुरेश पासवान, भजन मल्लाह आदि शामिल रहे।

तेंदुए ने महिला को मारा झपट्टा, इलाके में दहशत

संवाददाता—महराजगंज। उत्तरी चौक रेंज के सीमावर्ती पछुडिहवा, डगरूपुर समेत आधा दर्जन गांव में तेंदुए का आतंक पिछले तीन से कायम है। गुरुवार को डगरुपुर गांव में दरवाजे पर झाड़ू लगा रही पुनीता पत्नी रामनयन पासवान अचानक गांव में आए तेंदुआ को देख घर के अंदर भागने का प्रयास करने लगी, लेकिन तेंदुआ ने झपट्टा मार कर उसे घायल कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने के बाद तेंदुआ भागा। परसामलिक थानाक्षेत्र के पछुडिहवा गांव में मंगलवार की शाम को आया तेंदुआ सबसे पहले एक बकरी को शिकार बनाया। इसके बाद ग्रामीण उसे लाठी–डंडा लेकर ढूंढने लगे। इस दौरान तेंदुआ ने दो युवकों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। ग्रामीण क्षेत्र में तेंदुआ के आने की सूचना के बाद वन विभाग की टीम पिंजरा लेकर पहुंची लेकिन अभी तक तेंदुआ पकड़ में नहीं आया है। पछुडिहवा में दो दिन आतंक मचाने के बाद तेंदुआ गुरुवार की भोर में डगरूपुरवा में पहुंच गया। अनिल कुमार के दरवाजे पर धनिया पत्ती का बंडल रखा था। तेंदुआ ने धनिया पत्ती के बंडल को बिखेर दिया। आसपास के घरों में बरामदे में सोए लोगों को जब गांव के अंदर तेंदुआ के आने की भनक लगी तो फौरन बिस्तर से उतर घर के अंदर घुस दरवाजा बंद कर शोर मचाना शुरू कर दिया। गांव में रामनयन पासवान की पत्नी पुनीता गुरुवार की सुबह दरवाजे के सामने झाड़ू लगा रही थी, अचानक उसकी नजर तेंदुआ पर पड़ी, इसके बाद वह भागने का प्रयास करने लगी। महिला को देख तेंदुआ ने झपट्टा मारा। नाखून से खरोंच लगा लेकिन तेंदुआ की गिरफ्त में आने से पहले महिला घर में घुस अपने को सुरक्षित कर ली। ग्रामीणों के शोर मचाने के बाद तेंदुआ वापस बगीचे में जाकर छिप गया। तेंदुआ को पकड़ने के लिए वन कर्मियों ने बुधवार की रात पिंजड़ा लगाया। उसमें बकरी बांध तेंदुआ के आने का इंतजार करने लगे। पर, तेंदुआ नहीं आया। इसके बाद ग्रामीण जेसीबी मशीन में सवार होकर पछुडिहवा गांव के झाड़ियों से घिरे दर्जनों बांस की खूंटी में घंटों कांबिंग कर तेंदुआ को ढूंढने व भगाने का प्रयास किया लेकिन वह नजर नहीं आया। ग्रामीण रामसमुझ यादव, रामकृष्ण, छोटू, सुचित, भुक्खल, गौरीशंकर, रामलखन, अनिल, संतोष राजेन्द्र, महेन्द्र, सुरेश, शंकर, रामसरण, त्रिलोकी, मनिराम, देवीशंकर, अमित, भूपेंद्र, रामसमुझ, शिवकुमार आदि ग्रामीण लाठी–डंडा लेकर झुंड में तेंदुआ से सुरक्षा के लिए पहरा दे रहे हैं। ग्रामीण कई शिफ्ट में रखवाली कर रहे हैं। उत्तरी चौक रेंज के जंगल से भटक कर आबादी क्षेत्र में तेंदुआ के जाने की सूचना मिली है। रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद है। पिंजरा लगाया गया है। वन कर्मियों को निर्देश दिया है कि वह तेंदुआ को जंगल की ओर मुवमेंट कराएं या उसे सुरक्षित पकड़ें। मानव वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए पुलिस की भी मदद ली गई है। जल्द ही तेंदुआ को जंगल की ओर जाने दिया जाएगा या उसे सुरक्षित पकड़ लिया लाएगा। ग्रामीणों से अपील है कि वन विभाग की टीम का सहयोग करें।

पत्नी का हत्या आरोपी पंद्रह हजार का इनामिया पति गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। नवाबगंज में एक पति को पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। अनिल उर्फ अनश पर आरोप है कि उसने विवाद के दौरान चाकू से पत्नी ऊमा देवी की हत्या की और एक वर्षीय बेटी के साथ फरार हो गया। बीते ढाई महीने से पत्नी की हत्या के आरोप में फरार चल रहे पंद्रह हजार के इनामी पति को पुलिस ने गुरुवार को लोलपुर के निकट फोरलेन से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ कर आला कत्ल चाकू भी बरामद कर लिया है। आरोप है कि अनिल उर्फ अनश चाकू से पत्नी का पेट फाड़कर हत्या कर देने के बाद एक वर्षीय मासूम बेटी को लेकर कमरे में बाहर से ताला बन्द करके मौके से फरार हो गया था। बताया जाता है कि वह मौके से भागकर प्रयागराज जिले में स्थित अपने घर पहुंच कर मासूम बेटी को छोटे भाई की पत्नी के हवाले कर वहां से भी फरार हो गया था। बताया जाता है कि सरयू घाट चौकी के निकट बीते 24 अगस्त को फतेपुर गांव के एक मकान की पहली मंजिल के एक कमरे से फैल रही दुर्गंध से जब आसपास के लोग कमरे के निकट पहुंचे तो अंदर महिला का शव दिखा। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस के शुरुआती जांच पड़ताल में पता चला कि एक मासूम बेटी के साथ पति–पत्नी किराए पर उस कमरे में तकरीबन एक साल से रहे थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दोनों रोजाना अयोध्या जाकर चश्मा और खिलौना बेचने का काम करते थे। मूल रूप से दोनों कौशाम्बी जिले के रहने वाले थे। मृतका ऊमा देवी का संबंध अनिल उर्फ अनश से एक साल पहले उसके पहले पति रवि शंकर के जेल में रहने के दौरान हो गया था। इसी दौरान दोनों भागकर कटरा शिवदयालगंज बाजार में आकर रहने लगे। बीते 20व21 अगस्त की रात में उमा और अनिल के बीच किसी बात को लेकर हुए विवाद हुआ। आरोप है कि इसके बाद अनिल ने चाकू से पेट चीरकर उमा की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया था। घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के पहले पति रवि शंकर 25 अगस्त को नवाबगंज थाने में पहुंच कर शव की शिनाख्त करने के बाद अनिल के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। तकरीबन तीन महीने से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी।

62वीं वाहिनी के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में दर्ज की जीत

संवाददाता—श्रावस्ती। अन्तर वाहिनी फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन बलरामपुर में किया गया। जिसमें कुल 10 वाहिनियों की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा की ने शानदार जीत दर्ज की।

सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल लखनऊ के तहत आने वाली 10 एसएसबी वाहिनियों के बीच 9वीं वाहिनी बलरामपुर में अंतर वाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ 18 नवम्बर व समापन बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता में 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा की टीम ने प्रतिभाग किया।

62वीं वाहिनी भिनगा की टीम ने तृतीय वाहिनी को सात–शून्य के विशाल अंतर से हराकर प्रतियोगिता में शानदार जीत दर्ज की। इस विजय के साथ 62वीं वाहिनी के खिलाड़ियों ने अपने कौशल और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि के लिए 62वीं वाहिनी और सेक्टर लखीमपुर खीरी की पूरी टीम को बधाई दी गई। कमांडेन्ट ने कहा कि यह प्रतियोगिता अन्य वाहिनियों के बीच खेल भावना को और मजबूत करने का प्रयास है। सभी विजेताओं को गोल्ड मेडल से पुरस्कृत किया गया। इसके बाद अच्छे खिलाड़ियों का चयन सीमांत मुख्यालय लखनऊ की टीम के लिए भी किया गया।

एकांकी के जरिए दिया तथागत और कबीर का संदेश

संवाददाता—महराजगंज। सेंट जोसेफ्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वाराणसी की संस्था प्रेरणा मंच के कलाकारों द्वारा बुद्ध से कबीर तक एकांकी के जरिये विद्यार्थियों को तथागत व कबीर का संदेश दिया गया।

एकांकी में कलाकारों ने जातीय भेदभाव, राजनीति, वैमनस्य व संकीर्ण सोच की मानसिकता से ऊपर उठकर एकता व समानता की भावना को अपनाने का संदेश दिया। बताया गया कि समाज में व्याप्त जातिगत व धार्मिक भेदभाव प्रगति में बाधक है। इसके स्थान पर यदि तथागत व कबीर के विचारों को जीवन में अपनाया जाए तो समाज में प्रेम, सद्भाव व समरसता फैलेगी। कार्यक्रम में मंच के डायरेक्टर फादर आनंद व गुजरात के पूर्व डीजीपी डॉ. विनोद मल्ल ने कबीर व तथागत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अंत में विद्यालय के चेयरमैन ओए जोसेफ ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य बैजू चेरियन, उप प्रधानाचार्य शिवेंद्र सिंह, प्रेमसागर चौबे, धनंजय मिश्रा, फणींद्र मिश्र, वर्षा जायसवाल, राजकुमार सिंह, प्रदीप रौनियार, भुनेश्वर मिश्र, अनिल पांडेय, वीरेंद्र त्रिपाठी, मनोरमा जायसवाल, रंजना त्रिपाठी, पूर्णिमा शाही, ओमप्रकाश वर्मा, संजीव कुमार, संजय गुप्ता, सिनसी पीटर, ललितेश गुप्ता, रमा श्रीवास्तव, विंसी चाको आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0 अस0प0वाद सं0–124 / 2024

रुपेश यादव

बनाम

.उत्तर प्रदेश सरकार वो हरखासोआम मृत्यु दिनांक 26 / 06 / 2022

तारीख पेशी दिनांक– 30–11–2024

अपने मृतक स्व0 जुग्गीलाल यादव पुत्र स्व0 रामजगत यादव निवासी भदोखर रामू का पूरवा तहसील सोहावल जिला–अयोध्या को देय ऋण और प्रतिभूतियों का वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अन्तर्गत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 11 के 30 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 30–11–2024 को अपराह्न 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता—बलरामपुर। बीडीओ पल्लवी सचान की अध्यक्षता में गुरुवार को उतरौला ब्लॉक सभागार में आयोजित टीबी मुक्त ग्राम पंचायत कार्यक्रम का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, सचिव एवं रोजगार सेवकों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। बीडीओ पल्लवी सचान ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि पंचायतों में टीबी के मामलों की पहचान और उपचार को प्रभावी ढंग से किया जा सके। जिससे ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हो सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सीएचसी अधीक्षक डॉ सीपी सिंह ने ग्राम प्रधानों और सचिवों को ग्राम पंचायतों में संदिग्ध टीबी रोगियों की पहचान करने के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्हें इलाज के लिए आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से अस्पताल भेजने की बात कही। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ग्राम प्रधान लोगों तक जरूरी पहुंचाएं। एसटीएस आशीष यादव, एसटीएलएस दिनेश भूषण तिवारी व डीपीसी अविनाश विक्रम सिंह ने जानकारी दी। बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए तय किए गए मानक एक हजार आबादी वाली पंचायतों में होगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत में जहां एक हजार की आबादी है, वहां एक सप्ताह से अधिक समय से आ रही खांसी के साथ घटते वजन वाले लोगों में 30 लोगों के टीबी जांच की जाएगी। यदि इनमें से एक या अधिक व्यक्ति टीबी से संक्रमित पाए जाते हैं, तो उस पंचायत को टीबी मुक्त घोषित नहीं किया जाएगा। यदि केवल एक मामला पाया जाता है, तो उस पंचायत को टीबी मुक्त घोषित कर उस मरीज का इलाज किया जाएगा। इस दौरान मौजूद ग्राम प्रधान एवं सचिवों ने संकल्प लिया कि वे अपनी पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने के लिए तत्पर रहेंगे।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान साजिद, मंजू देवी, अजय वर्मा, अफजाल अंसारी, मंशाराम यादव, कुर्बान अली, विजय पाल आदि लोग मौजूद रहे।

मिल चलाने को गांव–गांव आंदोलन करेंगे किसान

संवाददाता—देवरिया। बैतालपुर चीनी मिल चलाने की मांग को लेकर किसानों का कलेक्ट्रेट में धरना गुरुवार को 36वें दिन भी जारी रहा। चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष ब्रजेन्द्र मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में किसानों ने मिल चलाने के समर्थन में नारेबाजी की। इसमें वक्ताओं ने कहा कि किसानों की मांगें पूरी नहीं की गयी तो यह आंदोलन गांव–गांव तक किया जायेगा। इसमें अशोक मालवीय, डा.पीके निखर, अनिल मणि त्रिपाठी, नौशाद रजा, वंशी प्रसाद लाल, अखिलेश सिंह, पन्नालाल पाठक, विजय कुमार सिंह, रामलाल गुप्ता, योगेन्द्र प्रताप पाण्डेय, रत्नेश मिश्र, अरविंद उपाध्याय, विरेन्द्र सिंह, सुरेश पासवान, सरयू यादव, अश्वनी, राम एकबाल, बकरीदन अली, विकास दुबे, राम प्रकाश सिंह शामिल रहे।

नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचएं अधिकारी –मंडलायुक्त

संवाददाता—बलरामपुर। देवीपाटन मंडल आयुक्त शशिभूषण लाल सुशील ने गुरुवार को जिले के अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। इस दौरान उन्होंने फसल बुवाई के दौरान नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंडलायुक्त ने बैठक में कहा कि जिले के चार विकास खंड पचपेड़वा, हर्रैया सतघरवा, तुलसीपुर व गैसड़ी हार्ड एरिया अन्तर्गत आता है। इन क्षेत्रों में बोरिंग सफल न होने से किसानों को फसलों की सिंचाई में परेशानी उठानी पड़ती है। कहा कि किसानों को फसल सिंचाई में परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए सिंचाई विभाग नहरों में पूरी क्षमता के साथ खेतों तक पानी उपलब्ध कराए। उन्होंने निर्देशित किया कि नहरों के माध्यम से बड़े तालाबों को भरा जाए और इनका उपयोग सिंचाई के लिए किया जाए। मंडलायुक्त ने बड़े जलाशयों के साथ चित्तौड़गढ़ बांध की सिल्ट सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सहायक अभियंता लघु सिंचाई एवं अभियंता हाइड्रोलॉजी को हार्ड एरिया ब्लाक में सर्वे करने का निर्देश दिया, जिससे उन स्थानों को चिन्हित किया जा सके जहां पर बोरिंग सफल हो। मंडलायुक्त ने जिले में सिंचाई के लिए नया बैराज बनाए जाने के सम्बन्ध में कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। इस अवसर पर सीडीओ हिमांशु गुप्ता सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

पुलिस का मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं -दिनेश

संवाददाता—श्रावस्ती। अधिवक्ता व उनके पुत्र के साथ पुलिस संग हुई मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस कर्मचारी पर कार्रवाई को लेकर अधिवक्ता लगातार आन्दोलन कर रहे हैं। गुरुवार को दीवानी न्यायालय गेट पर धरना प्रदर्शन कर अधिवक्ताओं ने कार्रवाई की मांग की। बीते दिनों भिनगा के ईदगाह तिराहे पर अधिवक्ता व पुलिस के बीच किसी बात को लेकर मारपीट हुई थी। इसी मामले को लेकर अधिवक्ता संघ ने पुलिस कर्मचारी पर भी कार्रवाई की मांग करते हुए आन्दोलन शुरू कर दिया। मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन भिनगा अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ला की अगुवाई में अधिवक्ता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। गुरुवार को अधिवक्ता दीवानी न्यायालय गेट नंबर एक पर धरने पर बैठे रहे। अधिवक्ताओ ने धरना स्थल पर जमकर नारेबाजी भी की। साथ ही इस मामले में एसपी की भूमिका को लेकर अधिवक्ताओ ने उनके स्थानांतरण की मांग की। अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ला ने कहा कि अधिवक्ता के साथ हुई मारपीट के मामले में आरोपित पुलिस कर्मी को एसपी की ओर से बचाया जा रहा है। उन्होंने एसपी के स्थानांतरण की मांग करते हुए कहा कि एसपी के कार्य व्यवहार की जांच कर उनके नामी बेनामी सम्पत्ति की भी जांच कराई जाय। पुलिस का मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद्र तिवारी ने कहा की अधिवक्ता के साथ मारपीट करने वाले पुलिस कर्मी के विरुद्ध कार्यवाई नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने एसपी के स्थानांतरण की मांग उठाई। धरने में अधिवक्ता दिनेश पाठक, अनूप पाठक, सतीश मौर्य, राम गोपाल शुक्ला, अरुण मिश्रा, प्रदीप सोनी, नीरज पाण्डेय, राम पारस भार्गव, हिमांशु मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बिहार में हत्या कर फरार आरोपी भिखारी बनकर कर रहे थे लूट

संवाददाता–गोरखपुर। बिहार में हत्या कर फरार दो आरोपित समेत पांच साधु के भेष में भिखारी बन गोरखपुर में लूट कर रहे थे। तारामंडल के यशोधरा कुंज में एक महिला से लूट के बाद रामगढ़ताल थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर महिला समेत चार को पकड़ लिया है। रस नट उर्फ लाठीर, गेंहरी नट, मारकण्डेय नट और परमिला उर्फ संतरा के रूप में हुई। इसमें परमिला जोगी उर्फ योगी नट की पत्नी है। पुलिस जोगी की तलाश कर रही है। अगस्त में जोगी व पारस नट ने गांव में हत्या करने के बाद से फरार है। काको थाने की पुलिस इनकी तलाश कर रही है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 19 नवंबर को तारामंडल के यशोधरा कुंज की रहने वाली साधना सिंह ने रामगढ़ताल थाने में केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया था कि सुबह 10 बजे के करीब उनकी कालोनी में दो अज्ञात व्यक्ति भीख मांगने के लिए आए और उनके कमरे के सामने आकर भिक्षा मांगने लगे। आवाज सुनकर वह बाहर देखी तो दोनों साधु के भेष में थे। बाहर आने पर कामाख्या देवी के नाम पर कुछ दान मांगने लगे। बातों–बातों में उस व्यक्ति ने बोला की मैं कुछ चावल दे रहा हूं, उसको आप जहां पर पैसा, गहना रखती हैं, वहा पर रख दें, इससे आपके धन में बढोत्तरी होगी। झांसे में लेते हुए उस चावल के साथ मंगलसूत्र, कान की बाली, अंगूठी रखवा दिया और चले गए। कुछ देर बाद उनके द्वारा दिए गए पोटली को खोलकर देखा तो उसमें मिट्टी जैसा कुछ पदार्थ निकला। उकने शोर मचाने पर उसी कालोनी की गिरिजा देवी भी वहां पहुंची और बताया कि उनके यहां भी एक व्यक्ति आया और इसी तरह से घटना कर चला गया। केस दर्ज करने के बाद रामगढ़ताल थानेदार चितवन कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने आरोपितों को पकड़ लिया। ये सभी पास के कालोनी में दूसरी वारदात की योजना बना रहे थे। एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। फरार आरोपित जोगी उर्फ योगी नट की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह अलग–अलग भेष में घूम–घूम कर भीख मांगते थे और महिलाओं को झांसा देकर उनके गहने लेकर चले जाते थे। पुलिस ने इनके पास से दो मंगलसूत्र, एक जोड़ी कानबाली, 27 ताबीज, 14 पीली धातु, चार अंगूठी, 40 सफेद धातु की अंगूठी व अन्य समान बरामद किए हैं।

तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग, मजदूर को गोली लगी

संवाददाता–गोरखपुर। सैनिक कुंज कालोनी में बुधवार की रात तिलक समारोह में आए युवकों ने पिस्टल व तमंचा से फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली टेंट व्यवसायी के मजदूर को हाथ में लग गई। घटना के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। एम्स थाना पुलिस ने घायल को बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है। सैनिक कुंज में रहने वाले दीपक सिंह के घर बुधवार को तिलक समारोह था। शाहपुर के बशारतपुर में रहने वाले टेंट व्यवसायी विशाल कुमार ने टेंट लगाने के साथ ही डेकोरेशन का काम भी किया था। रात 11:45 बजे तिलक समारोह में पहुंचे रामगढ़ताल थानाक्षेत्र के इंदिरानगर में रहने वाले प्रशांत यादव व उसके साथी राहुल यादव ने पिस्टल से हवाई फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली टेंट व्यवसायी के कर्मचारी चिलुआताल के नकहा नंबर एक में रहने वाले विनोद कुमार के बाएं कंधे में लग गई। घटना के बाद वह जमीन पर गिर पड़ा। चीख पुकार सुनकर पहुंचे साथियों ने डायल 112 पर फोन कर गोली लगने की जानकारी दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही फायरिंग कर रहे दोनों युवक फरार हो गए। तिलक समारोह में आए लोग भी अपने–अपने घर चले गए। बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती विनोद की स्थिति गंभीर है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि टेंट व्यवसायी विशाल कुमार की तहरीर पर हत्या की कोशिश करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपितों की तलाश चल रही है। पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

वहीं एक दूसरे मामले में गोरखपुर के दीवानी कचहरी में बुधवार की दोपहर अधिवक्ताओं ने दो युवकों को पकड़ कर हमला करने आए थे। दूसरी तरफ से चिलुआताल क्षेत्र की एक महिला ने अधिवक्ताओं पर छेड़खानी करने और भाई व उसके दोस्त को पीटने का आरोप लगा तहरीर दी है। अधिवक्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पति–पत्नी के बीच चल रहे विवाद में पति की तरफ से अधिवक्ता हैं। 13 नवंबर को मध्यस्थता केंद्र में पैरवी के दौरान महिला व उसके पिता ने विवाद किया और गाली दी। फोन कर जान से मारने की धमकी भी दी। बुधवार को कैंटीन के पास उन्हें घेर लिया और मारने पीटने लगे। कागजात छीनकर फाड़ दिए। एक युवक ने तमंचे से फायर कर दिया। आसपास के लोग तमंचा छीनने का प्रयास किए तो उसका साथी लेकर फरार हो गया। वहीं दूसरी तरफ चिलुआताल निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह और उसके पिता व भाई एक मामले में कचहरी आए थे। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि दोनों तरफ से तहरीर मिली है। दोनों युवकों का मेडिकल कराकर कैंट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ननिहाल से घर को निकली किशोरी गायब

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल आयी किशोरी कटसहरा चौराहे से ऑटो पकड़कर अपने घर के लिए निकली, लेकिन घर नहीं लौटी। इस मामले में किशोरी के नाना ने बुधवार को हरपुर बुदहट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी कुछ दिन पूर्व हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने ननिहाल आयी हुई थी। 18 नवम्बर को अपने मामा के साथ सहजनवा के लिए निकली और कटसहरा चौराहे पर आकर मामा से बोली आप घर जाइए मैं ऑटो से चली जाऊंगी और ऑटो पर बैठकर निकली गई, लेकिन वह अपने घर नहीं पहुंची। परिजनों ने दो दिन खोजने के बाद लड़की के लापता होने का मुकदमा बुधवार को दर्ज कराया है।

कुएं में गिरे वृद्ध को साप ने काटा, मौत

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में एक 59 वर्षीय वृद्ध देवनाथ तिवारी कुएं में गिर गए और सांप के काटने से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें सीएचसी इनायत नगर पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। कुएं में गिरे एक वृद्ध को सांप ने काट लिया। सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू कर सांप को पकड़ा। जानकारी के मुताबिक इनायतनगर थाना क्षेत्र के गौरन पुरवा निवासी देवनाथ तिवारी उम्र लगभग 59 वर्ष गुरुवार सुबह 8 बजे अपने घर के सामने स्थित कुएं में अचानक गिर गए कुएं के अंदर जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। परिजनों ने उन्हें सीएचसी इनायत नगर पहुंचा जहां हालत गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। जिला अस्पताल पहुंचते ही वृद्ध ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम रिपोर्ट के लिए भेज दिया।

दौड़ में नूर मोहम्मद, आंशिक अव्वल खो-खो, कबड्डी में मझौवा बाबू का दबदबा

–खेलकूद से बच्चों का शारीरिक, मानसिक विकास होता है -एसडीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। सल्टौआ ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय मझौवा बाबू के परिसर में हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ उप जिलाधिकारी भानपुर आशुतोष तिवारी और प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करने के उपरांत फीता काटकर किया। प्रतियोगिता में 50 मीटर बालक वर्ग में बिछियागंज के नूर मोहम्मद प्रथम, दुहवा के रितेश यादव द्वितीय तथा रामपुर मुडरी के अल्फाज तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग 50 मीटर में सिसवा बक्सार की अंशिका प्रथम, चौरा की निशा द्वितीय तथा मझौवा बाबू की आंचल तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर बालिका वर्ग में पचलौरिया की अंशिका यादव प्रथम, चौरा की रोशनी द्वितीय तथा दुहवा की सोनम तृतीय स्थान पर रहीं। कबड्डी और खो – खो में यूपीएस मझौवा बाबू का दबदबा रहा। समूहगान, लोकगीत तथा लोकनृत्य में पंचमोहनी न्याय पंचायत के कंपोजिट विद्यालय पंचमोहनी की बालिकाओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एसडीएम ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताओं से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है जिसके लिए खेल अत्यंत आवश्यक है। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर ऐसी प्रतियोगिताओं की ही देन है कि हमारे बच्चे प्रदेश से लेकर देश स्तर तक अपना और जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि इस तरह के आयोजन होने से बच्चों के अंदर जो प्रतिभाएं हैं वह निकलकर सामने आती हैं। खेलकूद सकुशल संपन्न कराने में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक मनीष मिश्र का विशेष योगदान रहा। निर्णायक की भूमिका में राजेश मिश्र, दीपिका यादव, सत्या पाण्डेय रहीं। इस अवसर पर प्रताप नारायण चौधरी, राजदेव त्रिपाठी, अमित सिंह, विजय चौधरी, भास्कर दुबे, धर्मराज यादव, प्रसून श्रीवास्तव, मनीष, अब्दुल कादिर, श्याम गिरी, चंद्रशेखर पाण्डेय, बब्बन पाण्डेय, रामभरत वर्मा, जवाहरलाल, श्रीचंद्रपाल, शिवनंदन, अशोक, आदित्य गिरी, मेराज, पूरण चौधरी, राजेश मिश्र, उमाशंकर पाण्डेय, बहरैची प्रसाद, सत्यप्रकाश, फूलचंद, राधेश्याम पाल, सरफराज अहमद, विनोद चौहान आदि उपस्थित रहे।

डॉक्टर प्रकरणः माफी मांगने के बाद समझौता, थाने में मिले गले

संवाददाता–बस्ती। मंगलवार को पटेल चौक के पास हॉस्पिटल चलाने वाले हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. डीके गुप्ता ने पुलिस को तहरीर दिया था कि टोल प्लाजा के पास उन्हें रोककर चाकू दिखाकर 15 लाख रुपये की मांग की गई। उनके हॉस्पिटल के स्टाफ और पत्नी तक को अपशब्द कहते हुए धमकी दी गई। दूसरे पक्ष ने भी थाने में एक शिकायत कर दी थी। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डीके गुप्ता से उनके पूर्व सहयोगी के बीच चल रहे विवाद का बृहस्पतिवार को पटाक्षेप हो गया। आरोपी ने कोतवाली में अपनी गलती कबूल करते हुए माफी मांगा। जिसके बाद दोनों पक्षों ने गले मिलकर गिले–शिकवे दूर किए। इस मामले को लेकर बुधवार को दिन भर सरगर्मी बनी रही। दोनों पक्ष देर रात तक कोतवाली में डटे रहे। पुलिस इसे लेनदेन का विवाद बताकर कार्रवाई करने से पहले जांच करने की बात कर रही है। जबकि दोनों पक्ष एक दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कराने पर आमादा थे। मंगलवार को पटेल चौक के पास हॉस्पिटल चलाने वाले हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. डीके गुप्ता ने पुलिस को तहरीर दिया था कि टोल प्लाजा के पास उन्हें रोककर चाकू दिखाकर 15 लाख रुपये की मांग की गई। उनके हॉस्पिटल के स्टाफ और पत्नी तक को अपशब्द कहते हुए धमकी दी गई। वहीं दूसरे पक्ष ने भी डॉक्टर पर काम करवाकर रुपये हड़पने और झूठा इल्जाम लगाने सहित अन्य आरोप लगाए थे।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं से पुलिस का झड़प, धक्का–मुक्की, हिरासत

संवाददाता–गोरखपुर। दरअसल, एबीवीपी की तरफ से विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसे लेकर एनएसयूआई की तरफ से विरोध जताया जा रहा है। उनका विरोध छात्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को निजी कार्यक्रम के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है, ये है। इससे पढ़ाई बाधित होगी।

डीडीयू में एबीवीपी के कार्यक्रम को देखते हुए शिक्षण कार्य बाधित करने पर विश्वविद्यालय प्रदर्शन करने बृहस्पतिवार को पहुंच रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प हो गई। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ता योगेश प्रताप सिंह और आलोक सिंह को हिरासत में ले लिया। पुलिस उनको कैंट थाने उठा ले गई। विश्वविद्यालय के सामने एहतियातन पूरे दिन पुलिस बल तैनात रही। दरअसल, एबीवीपी की तरफ से विश्वविद्यालय परिसर में

राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसे लेकर एनएसयूआई की तरफ से विरोध जताया जा रहा है। उनका विरोध छात्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को निजी कार्यक्रम के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है, ये है। इससे पढ़ाई बाधित होगी। एनएसयूआई ने कार्यक्रम के पहले आंदोलन की धमकी दी है। बृहस्पतिवार की शाम से कार्यक्रम की शुरुआत होनी है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह पुलिस अलग–अलग इलाकों से कार्यकर्ताओं को उनके घर से उठाकर अपने साथ थाने लेते आई है। आदित्य शुक्ला ने आरोप लगाया कि पुलिस सुबह बिना सूचना के घर पर आ गई और सोते समय उन्हें जबरन उठा कर अपने साथ लेते आई।

किसानों को खेतों में फसल अवशेष प्रबंधन के बताए गए गुर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खुनियांव क्षेत्र के परसा गांव में गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र सोहना की ओर से ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को फसलों की पराली न जलाने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ.ओम प्रकाश ने किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया। बीज वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से मृदा में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा कम हो जाती है। साथ ही प्राकृतिक रूप से मृदा में उपस्थित ट्राइकोडर्मा सूक्ष्म जीवों की संख्या भी कम हो जाती है। इससे फफूंदजनक बीमारियों का प्रकोप फसलों में बढ़ जाता है। इसका प्रबंधन करना कठिन हो जाता है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि फसल अवशेष को सब्जियों की खेती एवं फलों के बगीचों में आच्छादन के रूप में प्रयोग करने से खरपतवार नियंत्रण एवं पानी की बचत और उत्पादन में वृद्धि होती है। मृदा वैज्ञानिक प्रवेश कुमार ने बताया कि फसल अवशेषों को जलाने से मृदा का स्वास्थ्य खराब हो रहा है और पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इसलिए फसल अवशेष को खेत में ही डिकंपोजर की सहायता से सड़ाएं। हैपी सीडर, मल्चर, रोटावेटर, सुपर सीडर और स्मार्ट सीडर कृषि यंत्रों से फसल अवशेष का प्रबंधन करें। इस अवसर पर कृषि विभाग के वीरेन्द्र कुमार मौर्य, मुकेश कुमार, नूरुद्दीन, राधेश्याम, जानकी, इरफान, दिलीप, सरातुल्लाह, विनय, हामिद, पहलू, रिजवान आदि मौजूद रहे।

सामाजिक सुरक्षा एवं योजनाओं के प्रति जागरूक हुए मरीज

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के सभागार में गुरुवार को आयोजित जागरूकता कैंप में एचआईवी पीड़ित मरीजों को सामाजिक सुरक्षा एवं सरकारी योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर जहां एआरटी सेंटर के परामर्शदाता ने सभी को जरूरी जानकारी दी, वहीं सुरक्षा के लिए गोपनीयता बनाए रखने का आश्वासन भी दिया। जागरूकता कैंप में माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. हस्मतुल्लाह ने कहा कि सभी लोग समय से दवा का सेवन करें और अच्छे तरीके से खानपान करें। सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि अपनी सुरक्षा के साथ ही साथ अपने परिवार, समाज व देश में रह रहे सभी लोगों की सुरक्षा करें और नैतिक जिम्मेदारी के कारण एड्स को समाज में फैलने से रोकें। सुरक्षित तरीकों के प्रयोग से हम इसके प्रसार को बहुत आसानी से रोक सकते हैं। एआरटी सेंटर के परामर्शदाता सिद्धेश्वर पांडेय ने सामाजिक सुरक्षा एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी दी। परामर्शदाता आशुतोष त्रिपाठी ने बताया कि आपकी सुरक्षा के लिए गोपनीयता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। सुभाष चंद यदुवंशी ने 2017 एक्ट के बारे में बताया कि अगर इसका कोई उल्लंघन करता है तो उसे तीन महीने से लेकर दो वर्ष की सजा हो सकती है या अधिकतम एक लाख का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। डायल 1097 के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अगर एआरटी सेंटर पर किसी भी तरह की समस्या हो तो 1097 पर काल करके अवगत कराएं, जल्द ही समस्या का निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर एआरटी सेंटर के चिकित्साधिकारी डॉ. फरहत अहमद मसूद गौसी, नोडल अधिकारी डॉ. एसएन आजाद, डाटा मैनेजर सलीम सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

अपील सं0–T202417000

धारा 35 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी सदर महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती नबुअत आदि

बनाम

मो0 इब्राहिम आदि

1. मो0 इब्राहिम पुत्र शौकत अली साकिन परसातकिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील सदर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 08/19

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

रामकेश

बनाम

सुभावती आदि

1. सन्तोष पुत्र राधेश्याम 2. राजेश 3. धर्मेन्द्र 4. महेन्द्र 5. शैलेन्द्र पुत्रगण राधेश्याम 6. नेहा 7. गुड़िया 8. विन्दू पुत्रीगण राधेश्याम साकिनान साड़ीखुर्द तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 25–11–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 21 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 142/2022

प्रभावती आदि

बनाम

सूर्यनाथ चौधरी आदि

1. सूर्यनाथ चौधरी उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र रामअवध चौधरी निवासी गांवगोडिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. मन्दू चौधरी उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी मोहल्ला पठान टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 4. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 18–01–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 01 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0–96/2022

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

लल्लू प्रसाद आदि

बनाम

गया प्रसाद आदि

1. गया प्रसाद उम्र लगभग 54 साल पुत्र बखेडू उर्फ सुरेमन निवासी ग्राम बनगवा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 2. रामफेर उम्र लगभग 35 साल 3. पंचम उम्र लगभग 33 साल पुत्रगण हरनाथ 4. श्रीमती विद्यावती उम्र 40 साल पत्नी उदयभान साकिन मौजा तिगोड़िया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको 06 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

कोर्ट ने दिया बसपा के पूर्व विधायक पर रेप का मुकदमा दर्ज करने का आदेश

संवाददाता–संतकबीरनगर। खेसरहा व वर्तमान में मेंहदावल विधानसभा व बसपा से पूर्व विधायक ताबिश खां पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने का आदेश जिला कोर्ट ने दिया है। विधायक के ऊपर आरोप है कि उन्होंने नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना की थी। जिसके बाद स्थानीय थाने में कार्रवाई न होने के बाद पीड़िता के पिता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिसमें अदालत ने पूर्व विधायक पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। बखिरा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव का यह मामला है। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि बीते 4 सितंबर

2024 को उसकी बेटी बकरी चराने गई थी। शाम तक बेटी नहीं लौटी, तो वह उसकी तलाश में निकली। पोखरा के पास उसकी बेटी रो रही थी। ताबिश खान और जमालुद्दीन उर्फ जमालू मौके पर मौजूद थे। उसे देखकर वह परेशान हो गए। तब उन्होंने 5000 रुपए देते हुए कहा कि किसी को कुछ बताएगी, तो उसकी बदनामी होगी। चुप रहने पर 50 हजार और देने की बात कहीं। वहीं रुपए न लेने पर भी लोग धमकी देकर चले गए। पीड़ित बेटी ने बताया कि ताबिश व जमालू ने उसके साथ दुष्कर्म किया। कोर्ट ने थानाध्यक्ष को केस पंजीकृत कर विवेचना का आदेश दिया। ताबिश खां खेसरहा से बसपा के टिकट पर चुनाव जीत कर विधायक बने थे। जो सीट मेंहदावल विधानसभा में हो गई है। वहीं विधायक ताबिश खां ने बताया कि कि सारे आरोप बेबुनियाद है। कोर्ट के निर्णय का सम्मान करता हूं।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com